Reorganization Act says that the Central Government shall take up all necessary measures to ensure establishment of IIM in the State of Telangana.

Sir, Hyderabad is home to prestigious institutions such as IIT, ISB, NALSAR, IIIT and Central Universities making it an ideal ecosystem for IIM. The city has strong industrial sectors like IT, pharmaceutical, biotech and finance which could greatly benefit from IIM through research, collaborative start-up and leadership development. Sir, India currently has 21 IIM institutions that have produced some of the finest leaders in business, finance and policy making.

However, despite being a major economic and educational hub, Telangana still does not have an IIM. This is significant oversight in national educational planning. Sir, the absence of IIM in Telangana forces many students especially from economically weaker and rural backgrounds to migrate to other States, which increases their financial burden. Additionally, Telangana loses out on economical opportunities, jobs and industry partnerships that such an institution would generate.

Sir, Telangana deserves the chance to nurture young leaders and drive innovations in business and governance. The State of Telangana has given many representations to the Central Government but, unfortunately, the Government is neither looking into the matter nor responding. Hence, I urge upon the Government to take immediate steps to set up Indian Institute of Management (IIM) in the State of Telangana. Thank you.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Anil Kumar Yadav Mandadi: Dr. V. Sivadasan (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra), Shri Subhas Chandra Bose Pilli (Andhra Pradesh), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Pramod Tiwari (Rajasthan), Shri Ravi Chandra Vaddiraju (Telangana), Shri A. A. Rahim (Kerala), Shri Sanjay Yadav (Bihar), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala) and Shri Ashok Singh (Madhya Pradesh).

Now, Shrimati Seema Dwivedi - Demand for construction of an underpass between Janghi-Pratapgarh block and Janghi-Nibhapur Railway Station of Uttar Pradesh.

Demand for construction of an underpass between Janghai-Pratapgarh Block and Janghai-Nibhapur Railway Station of Uttar Pradesh

श्रीमती सीमा द्विवेदी (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, मेरा निवेदन जंघई-प्रतापगढ़ खंड पर निभापुर-जंघई रेलवे स्टेशंस के मध्य किलोमीटर 854/01 पर समपार अथवा अंडरपास को बनवाए जाने के संबंध में है।

महोदय, जंघई-प्रतापगढ़ रेलवे लाइन का दोहरीकरण निकट भविष्य में होना है। रेल लाइन के उत्तरी एवं दक्षिणी छोर पर ग्रामवासियों का निवास है। बीच में pitch road होने के कारण कई गाँवों को यह मार्ग जोड़ता है। इसी मार्ग से कई गाँवों में आना-जाना पड़ता है। इस स्थान तक कृषि कार्य हेतु आने-जाने के लिए कोई साधन नहीं है, जिससे बहुत सी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यहाँ तक कि कोई भी कार्य करने के लिए ग्राम वासियों को 10 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे कोई भी कृषि कार्य करने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अगर कोई व्यक्ति बीमार हो गया, तो उसे उस ट्रैक को बार-बार क्रॉस करना पड़ता है, जिससे आए दिन दुर्घटना होती रहती है।

महोदय, अतः मैं सरकार का ध्यानाकर्षण करना चाहती हूँ कि ग्रामसभा नराड़ में 854/0-01 पर अंडरपास बनवाने की कृपा करें ताकि जनमानस को सुविधा मिले, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shrimati Seema Dwivedi: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shrimati Maya Naroliya (Madhya Pradesh), Shri Sandosh Kumar P (Kerala) and Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra).

श्री उपसभापतिः माननीय श्री संजय यादव जी। 'Demand to Open New Kendriya Vidyalayas and Jawahar Navodaya Vidyalayas in the State of Bihar'.

Demand to open new Kendriya Vidyalayas and Jawahar Navodaya Vidyalayas in Bihar

श्री संजय यादव (बिहार) **:** उपसभापति महोदय, हाल ही में भारत सरकार द्वारा देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 85 केंद्रीय विद्यालय और 28 जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना की स्वीकृति दी गई है। मैं सदन का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूँ कि इन 85 केंद्रीय विद्यालयों और 28 जवाहर नवोदय विद्यालयों में से बिहार को एक भी केंद्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय नहीं दिया गया है। जनसंख्या के आधार पर बिहार तीसरे नंबर पर है। देश की लगभग 10 फीसदी आबादी बिहार में रहती है, यानी हर दसवां भारतीय बिहार से है, लेकिन इसके बावजूद भी बिहार की अनदेखी करना कहीं से वाजिब प्रतीत नहीं होता है।

महोदय, अगर ऐसे राज्यों की सूची बनाई जाए, जहाँ प्रति एक लाख व्यक्ति के अनुपात में सबसे कम केंद्रीय विद्यालय हैं, तो वह बिहार में है। बिहार में पटना जिला को छोड़ कर बाकी जिले में एक से अधिक केंद्रीय विद्यालय नहीं है। पूर्णिया में तो केंद्रीय विद्यालय की अपनी बिल्डिंग तक नहीं है।

उपसभापति महोदय, बिहार देश के सबसे पिछड़े राज्यों में से एक है। देश में सबसे कम साक्षरता दर बिहार में है। महिलाओं की साक्षरता दर में भी बिहार सबसे नीचे है। Multi-dimensional poverty index में बिहार सबसे नीचे है, नीति आयोग के SDG Index में बिहार सबसे नीचे है, gross enrolment ratio में बिहार सबसे नीचे है, ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे कम